

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दविस

प्रलिस के लयल:

नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खललफ अंतरराष्ट्रीय दवलस, नशा मुक्त भारत अभयलन / डरगस-मुक्त भारत अभयलन, वशल्व डरगस रपलरट 2022

मेन्स के लयल:

नशीली दवाओं के दुरुपयोग की समस्यल और संबधतल पहल, वरल्ड डरग रपलरट 2022, सरकलरी नीतयलँ और हसतकषेप

चरचल में क्यलँ?

प्रतयेक वर्ष 26 जून को नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खललफ अंतरराष्ट्रीय दवलस यल वशल्व डरगस दवलस के रूप में मनलल जलतल है।

- वशल्व डरगस दवलस के अवसर पर UNODC दवलरल [वरल्ड डरगस रपलरट 2022](#) जलरी की गई।
 - UNODC वरल्ड डरग रपलरट 2022 में कैनेबसल (भलँग) के वैधीकरण के बलद अवैध दवलओं के पर्यलवरणीय प्रभलवलँ और महललललँ तथल युवलओं के बीच नशीली दवलओं के उपयलग के रुझलनलँ पर प्रकलशल डललल गलल है।

वशल्व डरगस दवलस :

- थीम:
 - स्वलसथ्य और मनवीय संकटलँ में नशीली दवलओं की चुनलतयलँ कल समलधलन करनल।
 - [नशीली दवलओं और अपरलध पर संयुक्त रलषट्र करलरललल \(UNODC\)](#) कल फोकस इसके बलरे में जलगरूकतल फैललनल है तलकल दुनयल को नशीली दवलओं के दुरुपयलग से मुक्त कयल जल सके।
- इतहलस:
 - 7 दसलंबर, 1987 को, संयुक्त रलषट्र महलसभल ने प्रतयेक वर्ष 26 जून को नशीली दवलओं के दुरुपयलग और अवैध तस्करी के खललफ अंतरराष्ट्रीय दवलस के रूप में मनलने कल फैसलल कयल।
 - इसने समलज को मदक दरव्यलँ के सेवन से मुक्त बनलने के लकष्य को प्रलप्त करनने हेतु अपने प्रयलसलँ को मजबूत करनने के लयल यल दवलस मनलने कल नरलणय लयल।
- महत्त्व:
 - समलज पर नशीली दवलओं के दुरुपयलग के खतरनलक प्रभलवलँ के बलरे में जलगरूकतल कल प्रसर करनल तथल दुनयल को नशे से मुक्त करनल है।
 - वर्ष 2022 में दुनयल अफगलनसतलन, यूक्रेन और अनय जगहलँ पर व्यलपक मनवीय संकट देख रही है, जबकल कोवडल-19 महलमलरी अभी भी एक प्रमुख वैश्वकल स्वलसथ्य संकट बनी हुई है।
 - सथलटकल दवल संकट के लयल भी सतरीय और अनुकूलनीय समलधलनलँ की लवलश्यकतल होती है।

संबधतल पहल:

- भारत की पहल:
 - [नशल मुक्त भारत अभयलन/डरगस मुक्त भारत अभयलन](#)
 - नशीली दवलओं की मलंग में कमी हेतु रलषट्रीय करलरययलजनल
 - नलरको-समनवय केंद्र
 - नशीली दवलओं के दुरुपयलग को नरलतरतल करनने के लयल रलषट्रीय कोष
- वैश्वकल पहल:
 - सगल कन्वेंशन ऑन नलरकोटकलस डरगस, 1961

- कन्वेंशन ऑन साइकोट्रोपिक सब्सटेंस-1971
- कन्वेंशन ऑन इलीसिटि ट्रैफिकि ऑन नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस, 1988
 - भारत इन तीनों का हस्ताक्षरकर्ता देश है और इसने [नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस \(NDPS\) अधिनियम, 1985](#) को अधिनियमित किया है।
- प्रत्येक वर्ष संयुक्त राष्ट्र द्वारा [वर्ल्ड ड्रग रिपोर्ट](#) (World Drug Report) का प्रकाशन किया जाता है।

द वर्ल्ड ड्रग रिपोर्ट 2022 के मुख्य बंदि:

■ भारत:

- **भारत के बाज़ार और यूज़र्स के बढ़ने की संभावना:**
 - भारत उपयोगकर्ताओं के मामले में दुनिया के सबसे बड़े अफीम बाज़ारों में से एक है और संभवतः बढ़ी हुई आपूर्ति के प्रति संवेदनशील होगा।
 - इसका कारण यह है कि अफगानिस्तान में उत्पन्न होने वाले अफीम की तस्करी की तीव्रता पारंपरिक बाल्कन मार्ग के साथ दक्षिण और पश्चिम के अलावा पूर्व की ओर हो सकती है।
 - इसके परिणाम वस्तुतः उपयोग से लेकर तस्करी और संबद्ध संगठित अपराध के बढ़े हुए स्तरों तक हो सकते हैं।
- **अफीम की बरामदगी:**
 - भारत में वर्ष 2020 में 5.2 टन अफीम की चौथी सबसे बड़ी मात्रा जब्त की गई और तीसरी सबसे बड़ी मात्रा में मॉर्फिन (0.7 टन) भी उसी वर्ष जब्त की गई।
 - भारत में 2020 में लगभग 3.8 टन हेरोइन जब्त की गई, जो दुनिया में पाँचवीं सबसे बड़ी मात्रा है।
 - भारत में अधिकारियों ने पहली बार 2020 में डारक वेब पर गैर-चिकित्सा टरामाडोल और अन्य साइकोएक्टिव पदार्थों की तस्करी करने वाले प्रमुख अंतरराष्ट्रीय अपराधिक नेटवर्क को खत्म करने की घोषणा की थी।

■ विश्व:

- **नशीली दवाओं के उपयोग में वृद्धि:**
 - 15-64 वर्ष की आयु के लगभग 284 मिलियन लोगों ने 2020 में विश्व भर में नशीली दवाओं का इस्तेमाल किया, जो पछिले दशक की तुलना में 26% अधिक है।
- **कोकीन निर्माण की अधिकता:**
 - विश्व भर में कोकीन का निर्माण वर्ष 2020 में रिकॉर्ड ऊँचाई पर था, जो वर्ष 2019 से 11% बढ़कर 1,982 टन हो गया।
 - वर्ष 2020 में कोविड-19 महामारी के बावजूद रिकॉर्ड 1,424 टन तक कोकीन की बरामदगी भी बढ़ गई।
 - विश्व भर में अफीम का उत्पादन वर्ष 2020 और 2021 के बीच 7% बढ़कर 7,930 टन हो गया, जो मुख्य रूप से अफगानिस्तान में उत्पादन में वृद्धि के कारण हुआ।
 - हालाँकि इसी अवधि में अफीम पोस्ता की खेती के तहत वैश्विक क्षेत्र 16% से घटकर 2,46,800 हेक्टेयर रह गया।
- **महिलाओं की भूमिका:**
 - महिलाएँ विश्व स्तर पर नशीली दवाओं के उपयोगकर्ताओं के मामले में अल्पसंख्यक हैं, फिर भी पुरुषों की तुलना में उनमें नशीली दवाओं की खपत की दर और नशीली दवाओं के उपयोग विकारों की प्रगति में तेजी से वृद्धि होती है।
 - महिलाएँ अब एम्फैटेमिनि के अनुमानित 45-49% उपयोगकर्ताओं और दवा उत्तेजक, फार्मास्युटिकल ओपिओइड, सेडेटिव तथा ट्रैन्कविलाइज़र के गैर-चिकित्सा उपयोगकर्ताओं का प्रतिनिधित्व करती हैं।
 - महिलाओं ने वैश्विक कोकीन अर्थव्यवस्था में कई तरह की भूमिकाएँ निभाईं, जिनमें कोका की खेती, कम मात्रा में ड्रग्स का परिवहन, उन्हें उपभोक्ताओं को बेचना और जेलों में तस्करी शामिल है।
- **गलतफहमी के कारण लोग इलाज से वंचित:**
 - समस्या की भयावहता और इससे जुड़े नुकसान के बारे में गलत धारणाएँ लोगों को देखभाल एवं उपचार से वंचित कर रही हैं तथा युवाओं को प्रतिकूल व्यवहार की ओर धकेल रही हैं।
- **कारक:**
 - दुनिया के कुछ हिस्सों में कैनबिस के वैधीकरण से इसके दैनिक उपयोग और संबंधित स्वास्थ्य प्रभावों में तेजी आई है।

रिपोर्ट की सफ़ारिशें:

- वैश्विक ड्रग समस्या के हर पहलू को संबोधित करने के लिये आवश्यक संसाधनों पर ध्यान देने की आवश्यकता है, जिसमें इसकी आवश्यकता वाले सभी लोगों के लिये साक्ष्य-आधारित चिकित्सा का प्रावधान शामिल है और हमें इस ज्ञान के आधार में सुधार करने की आवश्यकता है कि अवैध दवाएँ अन्य तत्काल चुनौतियों (जैसे संघर्ष और पर्यावरण क्षरण) से किस प्रकार संबंधित हैं।
- यह आवश्यक है कि दुनिया भर के नीति निर्माता उन देशों में जहाँ कोका बुश (Coca Bush) की अवैध खेती की जाती है, आर्थिक विकास और वैकल्पिक आजीविका को शामिल करते हुए समग्र दवा-आपूर्ति में कमी की रणनीति तैयार करें।
- ड्रग नीति के प्रति दृष्टिकोण को संघर्ष के क्षेत्रों और शांति निर्माण प्रतिक्रियाओं में एकीकृत किया जाना चाहिये।
- सरकारों को अंतरराष्ट्रीय अपराधों की जटिल और गहन जाँच को प्रोत्साहित करना चाहिये जिसका उद्देश्य संबंधित वित्तीय प्रवाह को प्रकट कर उसे समाप्त करना है।

